# नृत्य कला (Dancing)
## विषय कोड -[163]
## कक्षा 11वीं

समय :3 घंटा

पूर्णांक 100
सैद्धांतिक 50
प्रायोगिक 50

| इकाई क्रमांक | विषय सामग्री | आवंटित अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 01 | संगीत की व्याख्या एवं नृत्य का स्थान | 5 | 5 |
| 02 | कथक शब्द की परिभाषा व उसका प्रयोग | 5 | 3 |
| 03 | नृत्य कला में गुरूवंदना का महत्व | 3 | 4 |
| 04 | छत्तीसगढ़ लोक नृत्य के प्रकार उसका वर्णन जैसे :- सुवा, ददरिया, पंथी, कर्मा | 6 | 5 |
| 05 | त्रिताल, झपताल, एकताल, का परिचय | 4 | 5 |
| 06 | देश के प्राचीन अथवा आधुनिक नृत्यकारों का परिचय व लच्छुमहाराज, बिंदापिन महाराज सितारा देवी आदि | 8 | 16 |
| 07 | परिभाषा:- आमद, ताल, लय, विलंबित, द्रुत, मध्य | 4 | 5 |
| 08 | तोड़ा आमद कवित्र किसी एक को लिपिबद्ध करना | 5 | 5 |
| 09 | मुद्रायें :- असंयुक्त व संयुक्त हस्तमुद्रा की परिभाषा | 3 | 6 |
| 10 | तत्कार की परिभाषा | 3 | 7 |
| 11. | नृत्य में भाव का महत्व | 3 | 4 |
| 12. | गत निकास - मुरली घुघंट में किन मुद्राओं का चयन | 4 | 4 |
| | योग | 50 | 60 |

60

## नृत्य कला प्रायोगिक कक्षा - 11

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | गुरू वंदना | 3 | 5 |
| 02 | हस्तक संचालन व पद संचालन ठाह-दुगून, चौगून | 3 | 5 |
| 03 | तत्कार के प्रकार | 2 | 9 |
| 04 | तोड़ा 02 टुकड़ा गत निकास 06 (घुंघट मुरली) | 2 | 9 |
| 05 | ताल त्रिताल व झपताल रम्पक दादरा में किन्ही तीन पर नृत्य की क्षमता | 20 | 9 |
| 06 | दो कविता | 5 | 5 |
| 07 | दो चक्करदार तोड़े | 5 | 9 |
| 08 | ताल झपताल व दादरा का ठेका ताली खाली के साथ | 10 | 9 |
| | योग | 50 | 60 |